"33"
pib.nic.in
mod.nic.in

पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)
भारत सरकार
****
'हर काम देश के नाम'

नई दिल्लीः अग्रहायण 30, 1944
बुधवारः 21 दिसंबर 2022

आत्मनिर्भर भारतः आईडेक्स-डीआईओ ने पनडुब्बी की ध्वनि और गतिविधि का अनुकरण करने में सक्षम एक्सपेंडेबल मोबाइल एंटी-सबमरीन वारफेयर ट्रेनिंग टारगेट से संबंधित रक्षा नवाचार के लिए 150वें अनुबंध पर हस्ताक्षर किए

रक्षा उत्पादन विभाग की प्रमुख पहल इनोवेशंस फॉर डिफेंस एक्सिलेंस (आईडेक्स) ने 150वें अनुबंध पर हस्ताक्षर के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। यह अनुबंध डिफेंस इंडिया स्टार्ट-अप चैलेंज (डिस्क 7) स्प्रिंट संस्करण की भारतीय नौसेना परियोजना से संबंधित है। इस चैलेंज का शीर्षक 'एक्सपेंडेबल मोबाइल एंटी-सबमरीन वारफेयर (एएसडब्ल्यू) ट्रेनिंग टारगेट (ईएमएटीटी) था जो पनडुब्बी की ध्वनि और गतिविधि का अनुकरण करने में सक्षम है' और विजेता अल्टेयर इंफ्रासेक प्राइवेट लिमिटेड, पुणे था।

इस चैलेंज में पी8आई विमान, एमएच60आर हेलिकॉप्टर, 10 समुद्री मील तक की गति से चलने वाले पोत और प्लेटफॉर्म पर संशोधन किए बिना अन्य दूरस्थ रूप से संचालित विमान से तैनात किए जा सकने वाले प्रशिक्षण लक्ष्य के विकास की परिकल्पना की गई, जहां से ईएमएटीटी को लॉन्च करने की आवश्यकता है।

रक्षा सचिव श्री गिरिधर अरमने और रक्षा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ असैन्य और सैन्य अधिकारियों की उपस्थिति में अल्टेयर इंफ्रासेक प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ श्री अनिल आनंद के साथ संयुक्त सचिव (रक्षा उद्योग उत्पादन) और अतिरिक्त सीईओ/डीआईओ श्री अनुराग बाजपेयी ने नई दिल्ली में 21 दिसंबर 2022 को अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। आईडेक्स ने 26 जुलाई, 2022 को अपने 100वें अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के पांच महीने के भीतर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।

अपने संबोधन में, रक्षा सचिव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा की गई पहलों के लिए बनाए गए अनुकूल वातावरण के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें नई निजी क्षेत्र की कंपनियों को आगे बढ़ने और राष्ट्र निर्माण में योगदान करने के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि अधिक कंपनियां इस पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाएंगी और 'आत्मनिर्भर भारत' परिकल्पना को साकार करने में मदद करेंगी। उन्होंने अल्टेयर इंफ्रासेक प्राइवेट लिमिटेड को बधाई दी और परियोजना को पूरा करने के लिए रक्षा मंत्रालय के समर्थन का आश्वासन दिया।

प्रधानमंत्री ने 2018 में देश में रक्षा क्षेत्र में सह-निर्माण और सह-विकास का एक प्लेटफॉर्म प्रदान करने, स्टार्ट-अप्स को काम पर लगाने और देश में रक्षा विकास एवं एयरोस्पेस

स्थापित करने के उद्देश्य से आईडेक्स फ्रेमवर्क लॉन्च किया था। आईडेक्स को रक्षा उत्पादन विभाग के तहत स्थापित रक्षा नवाचार संगठन (डीआईओ) द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।

बहुत कम समय के भीतर आईडेक्स, जिसे वर्ष 2021 के लिए नवाचार श्रेणी में सार्वजनिक नीति के लिए प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है, डिस्क, प्राइम और ओपन चैलेंजेस (ओसी) जैसे अपने प्रमुख कार्यक्रमों के माध्यम से रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में एक गेम चेंजर के रूप में उभरा है। आईडेक्स आवश्यक गति का निर्माण करने और रक्षा क्षेत्र में स्टार्ट-अप्स का एक महत्वपूर्ण पुंज उत्पन्न करने में सक्षम रहा है।

अब तक, आईडेक्स को डिस्क, प्राइम और ओसी के तहत व्यक्तिगत नवोन्मेषकों, एमएसएमई और स्टार्ट-अप से 6,500 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। यह हजारों नौकरियां पैदा करने और भारत की प्रतिभाओं को देश में वापस आकर्षित करने में भी सक्षम रहा है।

अक्टूबर में आयोजित डेफएक्सपो 2022 के दौरान, प्रधानमंत्री ने उद्योग और स्टार्ट-अप्स के माध्यम से अंतरिक्ष क्षेत्र में सशस्त्र बलों के लिए अभिनव समाधान विकसित करने हेतु डिस्क 8 सहित मिशन डेफस्पेस लॉन्च किया था। आवेदन करने की अंतिम तिथि 02 जनवरी, 2023 है।

आईडेक्स, त्रि-सेवाओं, डीपीएसयू, एमएसएमई और स्टार्ट-अप्स के सहयोग से भारत को 'आत्मनिर्भर' बनाने और अगले 25 वर्षों में भारत को वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र में बदलने के उद्देश्य से 5 बिलियन अमरीकी डालर यानी 40,000 करोड़ रुपये के निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी उत्पादों को विकसित करने का प्रयास कर रहा है।

आईडेक्स यह सुनिश्चित करने के लिए पथ-प्रदर्शक गति से काम कर रहा है कि स्टार्ट-अप्स और इनोवेटर्स के साथ इसके समझौते समय पर तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचें, अंततः नवोदित स्टार्ट-अप्स के यूनिकॉर्न होने के लिए असंख्य विकल्प खोलें और साथ ही, सेवाओं की आवश्यकता को पूरा करें।

एबीबी/डीएस